

महाकाल लोक गलियारा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा महाकालेश्वर मंदिर में बने महाकाल लोक गलियारे का उद्घाटन किया गया।

महाकालेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव का प्रतिनिधित्व) में से एक है।

महाकाल लोक गलियारा परियोजना के बारे में

- ❖ महाकालेश्वर मंदिर गलियारा विकास परियोजना मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराएगी।
- ❖ गलियारे में जटिल नक्काशीदार बलुआ पत्थरों से बने लगभग 108 सौंदर्यपूर्ण अलंकृत स्तंभ हैं जो आनंद तांडव स्वरूप (भगवान शिव के नृत्य रूप), 200 मूर्तियों तथा भगवान शिव और देवी शक्ति की मूर्तियों को दर्शाते हैं।
- ❖ इसमें देवता की कलात्मक मूर्तियों के साथ-साथ शिव पुराण की कहानियों को दर्शाने वाले 53 प्रबुद्ध भित्ति चित्र भी उत्कीर्ण हैं।



प्रथम चरण:

- ❖ परियोजना के पहले चरण से मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

महाकाल महाराज मंदिर परिसर विस्तार योजना:

- ❖ महाकाल महाराज मंदिर परिसर विस्तार योजना उज्जैन जिले में महाकालेश्वर मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र के विस्तार, सौंदर्यीकरण और भीड़भाड़ को कम करने की एक योजना है।
- ❖ इस योजना के तहत लगभग 2.82 हेक्टेयर के महाकालेश्वर मंदिर परिसर को बढ़ाकर 47 हेक्टेयर किया जा रहा है।
- ❖ इसे उज्जैन जिला प्रशासन द्वारा दो चरणों में विकसित किया जाएगा।
- ❖ इसमें 17 हेक्टेयर की रुद्रसागर झील शामिल होगी।

प्रमुख मंदिर उत्थान परियोजनाएं:

- ❖ वाराणसी में विश्वनाथ मंदिर और उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर के बाद, महाकाल मंदिर एक प्रमुख उत्थान परियोजना में शामिल तीसरा 'ज्योतिर्लिंग' स्थल है।



- ❖ महाकाल कॉरिडोर काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के आकार का चार गुना है, जिसका उद्घाटन पिछले साल के अंत में हुआ था।

हिंदू धर्म में महाकालेश्वर मंदिर का महत्व

इतिहास:

- ❖ महाकालेश्वर, जिसका अर्थ है 'समय के भगवान', भगवान शिव को संदर्भित करता है।
- ❖ हिंदी पौराणिक कथाओं के अनुसार, मंदिर का निर्माण भगवान ब्रह्मा द्वारा किया गया था और वर्तमान में यह पवित्र क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित है।

ज्योतिर्लिंग:

- ❖ पुराणों का कहना है कि भगवान शिव ने प्रकाश के एक अंतहीन स्तंभ के रूप में दुनिया को छेद दिया, जिसे ज्योतिर्लिंग कहा जाता है।
- ❖ भारत में 12 ज्योतिर्लिंग स्थल हैं, जिन्हें शिव का रूप माना जाता है।
 - गुजरात में महाकाल, सोमनाथ और नागेश्वर के अलावा,
 - आंध्र प्रदेश में मल्लिकार्जुन,
 - मध्य प्रदेश में ओंकारेश्वर,
 - उत्तराखंड में केदारनाथ,
 - महाराष्ट्र में भीमाशंकर, त्र्यंबकेश्वर और घृष्णेश्वर,
 - वाराणसी में विश्वनाथ,
 - झारखंड में बैद्यनाथ, और
 - तमिलनाडु में रामेश्वर।

मंदिर की विशेषताएं:

- ❖ महाकाल दक्षिण की ओर मुख वाला एकमात्र ज्योतिर्लिंग है, जबकि अन्य सभी ज्योतिर्लिंगों का मुख पूर्व की ओर है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मृत्यु की दिशा दक्षिण मानी जाती है। दरअसल, असमय मृत्यु से बचने के लिए लोग महाकालेश्वर की पूजा करते हैं।

मंदिर के संदर्भ:

- ❖ महाकाल मंदिर का उल्लेख कई प्राचीन भारतीय काव्य ग्रंथों में मिलता है।

मेघदूतम:

- ❖ चौथी शताब्दी में रचित मेघदूतम के प्रारंभिक भाग में कालिदास महाकाल मंदिर का विवरण देते हैं।
- ❖ यह एक पत्थर की नींव के साथ लकड़ी के खंभों पर छत के साथ वर्णित है।
- ❖ गुप्त काल से पहले मंदिरों पर कोई शिखर या शिखर नहीं होता था।

उज्जैन शहर के बारे में

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- ❖ उज्जैन शहर भी हिंदू शास्त्रों के अध्ययन के प्राथमिक केंद्रों में से एक था, जिसे छठी और सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व में अवंतिका कहा जाता था।



210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

Contact Us 9999516388, 8595638669

- ❖ बाद में, ब्रह्मगुप्त और भास्कराचार्य जैसे खगोलविदों और गणितज्ञों ने उज्जैन को अपना घर बना लिया।

भौगोलिक अवस्थिति

- ❖ भारतीय खगोल विज्ञान पर सबसे पहले उपलब्ध ग्रंथों में से एक, सूर्य सिद्धांत (4 वीं शताब्दी में के अनुसार) उज्जैन भौगोलिक रूप से एक ऐसे स्थान पर स्थित है, जहाँ शून्य देशांतर रेखा और कर्क रेखा एक-दूसरे को प्रतिच्छेदित करती हैं।
- ❖ इस सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए, यह माना जाता है कि उज्जैन के कई मंदिर किसी न किसी तरह से समय और स्थान से जुड़े हुए हैं और मुख्य शिव मंदिर समय के स्वामी महाकाल को समर्पित है।

वेधशाला:

- ❖ 18 वीं शताब्दी में, महाराजा जयसिंह द्वितीय द्वारा यहाँ एक वेधशाला का निर्माण किया गया था, जिसे वेधशाला या जंतर-मंतर के रूप में जाना जाता है, जिसमें खगोलीय घटनाओं को मापने के लिए 13 वास्तुशिल्प उपकरण शामिल हैं।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के बारे में:

- ❖ यह 400 मीटर लंबा गलियारा है जो बाबा विश्वनाथ के तीर्थयात्रियों और भक्तों को सुविधा प्रदान करेगा, जिन्हें पहले मंदिर में चढ़ाने हेतु गंगाजल इकट्ठा करने के लिए तथा पवित्र नदी में डुबकी लगाने की सदियों पुरानी प्रथा का पालन करते हुए, खराब रखरखाव के साथ भीड़भाड़ वाली सड़कों और परिवेश का सामना करना पड़ता था।
- ❖ इस परियोजना के वास्तुकार श्री विमल पटेल हैं जो सेंट्रल विस्टा परियोजना के वास्तुकार भी हैं।



महत्व:

- ❖ यह रैंप, एस्केलेटर और अन्य आधुनिक सुविधाओं के प्रावधान के साथ विकलांग और वृद्ध लोगों के लिए आसान पहुंच प्रदान करेगा साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।



210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

Contact Us 9999516388, 8595638669